आपका संघ - आपके लिए - आपके द्वारा

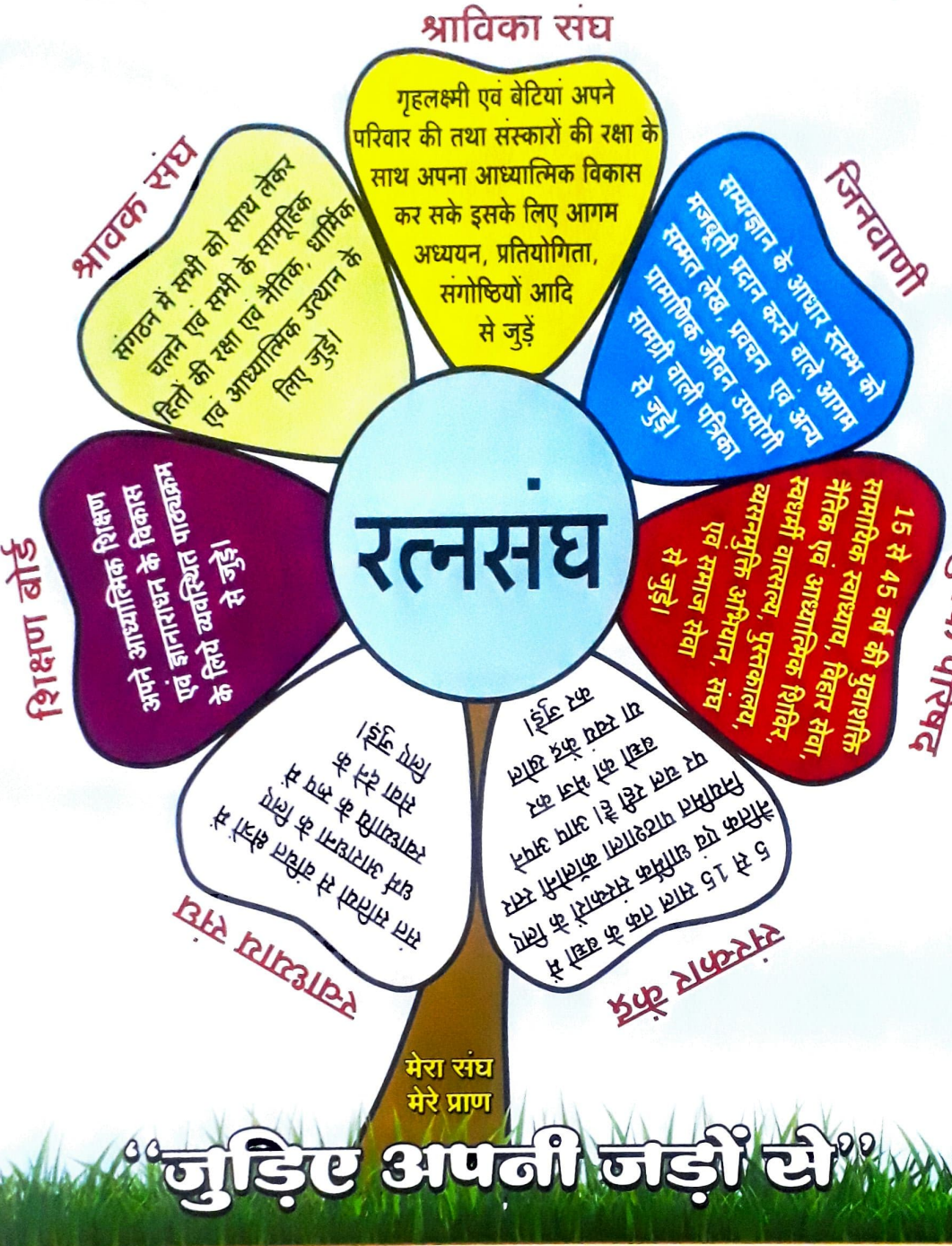

"जुड़िए अपनी जड़ों से"

युवक परिषद् के कार्यक्रम

1. विहार सेवा : क्षेत्र में विराजित संत सतीवृद्ध के विचरण विहार में सक्रिय सहयोग देकर नियमित सेवा का लाभ लिया जा सकता है।
2. सामायिक स्वाध्याय : प्रतिदिन सामुहिक प्रार्थना, सामायिक आराधना एवं नवीन स्वाध्याय अध्यन द्वारा अपनी समय का सदुपयोग करना।
3. भगवान महावीर का जीवन दर्शन : माह के अन्तिम रविवार को पारिवारिक सामुहिक सामायिक द्वारा स्थानको में भगवान महावीर के जीवन के चरित्र का व्यास्थित अध्यन चल रहा है उससे जुड़ कर शासन नायक के जीवन चरित्र, सिद्धांतों को समझना तथा अपने जीवन का निर्माण करना।
4. स्वधर्मी वात्सल्य एवं निर्व्यसनता : सेवा का आधार है करुणा, अनुकम्पा, वात्सल्य व मैत्री। तन, मन, धन एवं वचनों द्वारा संघ सेवा करें। सदस्यों में सहयोग, संगठन व भाईचारे को विकसित करना व संघ की सहयोगी संस्थाओं को सहयोग देना। सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हेतु सार्थक प्रयास करना।
5. आचार्य श्री हीराचन्द्र जी म.सा. का उद्बोधन है कि धर्म का आधार ही निर्व्यसनता है। इस हेतु युवकों को समय-समय पर पत्रों, परिपत्रों, गोष्ठी, सभा वार्ता आदि के द्वारा सप्त कुव्यसनों के बारे में जानकारी देकर निर्व्यसनी बनाना।
6. नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षण शिविर : बालक-बालिकाओं में नैतिकता एवं संस्कारों का वपन करने के लिए युवक परिषद् द्वारा ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन किया जाता है। कोरोना महामारी की स्थिति को देखकर उपयुक्त योजना बनाने का प्रयास रहेगा। जिसकी सूचना समयानुसार प्रेषित की जायेगी। फोन : 02912636763 • Email : yuvakparishad@gmail.com

जैन वीर संवत् 2547

जनवरी 2021 JANUARY

विक्रम संवत् 2077
पौष–माघ

सोम MON	[illegible]	4 पौष कृष्णा 6	11 पौष कृष्णा 13	18 पौष शुक्ल 5	25 पौष शुक्ल 12
मंगल TUE	[illegible]	5 पौष कृष्णा 7	चतुर्दशी 12 पौष कृष्णा 14	19 पौष शुक्ल 6	26 गणतंत्र दिवस पौष शुक्ल 13
बुध WED	करोड़ों रुपये का ... भारत में होता है। इससे भारत में 70 लाख ... स्कूल बनाए जा सकते या भारत के प्रत्येक गांव में 10 किमी. सड़क का निर्माण किया जा सकता है।	अष्टमी 6 पौष कृष्णा 8	13 पौष कृष्णा 30	गुरु गोविंद सिंह जयन्ती 20 पौष शुक्ल 7	27 चतुर्दशी पौष शुक्ल 14
गुरु THU		7 पौष कृष्णा 9	मकर संक्रांति 14 पौष शुक्ल 1	अष्टमी 21 पौष शुक्ल 8	28 पौष शुक्ल 15
शुक्र FRI	1 पौष कृष्णा 2	8 पौष कृष्णा 10	15 पौष शुक्ल 2	22 पौष शुक्ल 9	29 माघ कृष्णा 1
शनि SAT	2 पौष कृष्णा 3	9 पौष कृष्णा 11	16 पौष शुक्ल 3	23 माघ शुक्ल 10	30 माघ कृष्णा 2
रवि SUN	3 पौष कृष्णा 4-5	10 पौष कृष्णा 12	17 पौष शुक्ल 4	24 पौष शुक्ल 11	31 माघ कृष्णा 3

प्रार्थना/भजन

हस्ती पट्टधर आचार्य प्रवर हीरा गुरुवर का क्या कहना

हस्ती पट्टधर आचार्य प्रवर हीरा गुरुवर का क्या कहना।
मोहनी के लाल, मोती के बाल, हीरा गुरुवर का क्या कहना
प्रवचन की शैली क्या कहना, मधुरी वाणी सुनते जाना
हस्ती पट्टधर..........

1. जो सूरज सम तेजस्वी हैं, श्रमणों में श्रेष्ठ यशस्वी है।
जो ज्ञान क्रिया वर्चस्वी हैं, एंसे गुरुवर का क्या कहना।।
हस्ती पट्टधर..........

2. हो व्यसन मुक्तयं देश मेरा, एेसी करुणा का दर्द भरा।
जहां कथनी-करणी एक सदा, करुणा सागर का क्या कहना।।
हस्ती पट्टधर..........

3. कार्तिक सुदी षष्ठी दिन प्यारा, गुरु हस्ती से संयम धारा।
जिनका अनुशासित जीवन है, एेसे साधक का क्या कहना।।
हस्ती पट्टधर..........

4. गज गुरु ने हीरा परख लिया, घड़ रत्न संघ को सौंप दिया।
सुधर्मा पाट को चमकाया, एेसे शासक का क्या कहना।।
हस्ती पट्टधर..........

5. है अनन्त पुण्य का प्रबल उदय, अष्टम पट्टधर का योग मिला।
श्रद्धा और आत्म समर्पण से, मुक्तिमंजिल को पा जाना।।
हस्ती पट्टधर.........

शुभकामना

वर्ष 2021 में हम सभी ... संघ सेवा में सक्रिय भूमिका अदा कर ज्ञानाराधना, दर्शनाराधना, तपाराधना में यथाशक्ति अग्रसर बनें, ऐसी मंगल भावना है। ... सेवा करते रहें, यही शुभकामना है।

जैन पर्व

08 जनवरी भ. पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक (पौष कृ. 10)
09 जनवरी भ. पार्श्वनाथ दीक्षा कल्याणक (पौष कृ. 11)
10 जनवरी भ. चन्द्रप्रभ जन्म कल्याणक (पौष कृ. 12)
11 जनवरी भ. चन्द्रप्रभ दीक्षा कल्याणक (पौष कृष्णा 13)
14 जनवरी भ. शीतलनाथ केवल कल्याणक (पौष कृ. 14)
19 जनवरी भ. विमलनाथ केवल कल्याणक (पौष शु.6)
20 जनवरी उपाध्यायप्रवर पं. रत्न श्री मानचन्द्रजी म.सा. का प्रथम स्मृति-दिवस (पौष शु. 7)
22 जनवरी भ. शांतिनाथ केवल कल्याणक (पौष शु.9)
24 जनवरी भ. अजीतनाथ केवल कल्याणक (पौष शु.11)
27 जनवरी भ. अभिनन्दन केवल कल्याणक (पौष शु.14)
आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमल जी म.सा. का 111 वां जन्म-दिवस (पौष शु. 14)
28 जनवरी भ. धर्मनाथ केवल कल्याणक (पौष शु.15)

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
नवकार मंत्र																															
सामायिक																															
स्वाध्याय																															
नवकारसी																															
दान																															

संसार में दुःख के दो कारण हैं - मोह और अज्ञान। सामायिक मोह को घटाने और स्वाध्याय अज्ञान को दूर करने का अमोघ उपाय है- आचार्य हस्ती

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका-जनवरी

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि

छुट्टियाँ

9 जनवरी बैंक अवकाश
14 जनवरी मकर संक्रांति
20 जनवरी गुरु गोविंद सिंह ज.
23 जनवरी बैंक अवकाश
26 जनवरी गणतंत्र दिवस

पूर्णिमा के दिन ... और रात्रि भोजन का त्याग रखें। अपने गुरु के वचनों का मान रखें। ... आज ही एप डाउनलोड करें।

UPDATE YOUR DATA IN APP

जैन वीर संवत् 2547

फरवरी 2021 FEBRUARY

विक्रम संवत् 2077
माघ–फाल्गुन

सोम MON	1 माघ कृष्णा 4	8 माघ कृष्णा 12	15 माघ शुक्ल 4	22 माघ शुक्ल 10	पुष्य नक्षत्र 24 फरवरी, बुधवार दोपहर 01.17 से गुरु पुष्य 25 फरवरी गुरुवार दोपहर 01.16 तक
मंगल TUE	2 माघ कृष्णा 5	9 माघ कृष्णा 13	बसंत पंचमी 16 माघ शुक्ल 5	23 माघ शुक्ल 11	पंचक 11 फरवरी, गुरुवार रात्रि शेष 02.11 बजे से 16 फरवरी, मंगलवार रात्रि 08.55 बजे तक
बुध WED	3 माघ कृष्णा 6	चतुर्दशी 10 माघ कृष्णा 14	17 माघ शुक्ल 6	24 माघ शुक्ल 12	
गुरु THU	4 माघ कृष्णा 7	पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी 11 माघ कृष्णा 30	18 माघ शुक्ल 6	25 माघ शुक्ल 13	
शुक्र FRI	अष्टमी 5 माघ कृष्णा 8	12 माघ शुक्ल 1	19 माघ शुक्ल 7	चतुर्दशी 26 पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी माघ शुक्ल 14	तंबाकू की खेती 4,50,000 हेक्टे. भूमि में होती है। जिससे लगभग 1 खरब बीड़ी तथा 10 अरब सिगरेट प्रतिवर्ष बनती है। इतनी भूमि में 30 लाख गायों के लिए चारा वर्ष भर के लिए हो सकता है या 40 लाख टन अनाज प्रतिवर्ष हो सकता है।
शनि SAT	6 माघ कृष्णा 9-10	13 आचार्य भगवन्त पूज्यश्री हस्तीमल जी म.सा. का 101 वां दीक्षा-दिवस माघ शुक्ल 2	अष्टमी 20 माघ शुक्ल 8	27 माघ शुक्ल 30	
रवि SUN	7 माघ कृष्णा 11	14 माघ शुक्ल 3	21 माघ शुक्ल 9	28 फाल्गुन कृष्णा 1	

प्रार्थना/भजन

जय अरिहंताणं

जय अरिहंताणं, स्वामी जय अरिहंताणं।
भाव भक्तिसे नित्य प्रति, प्रणमूं सिद्धाणं ।। जय... ।। टेर ।।
दर्शन ज्ञान अनन्ता, शक्ति के धारी, स्वामी-2
यथा ख्यात चारित्र है, कर्म शत्रुहारी ।। जय... ।।1।।
है सर्वज्ञ, सर्वदर्शी बल, सुख अनन्त पाये, स्वामी-2
अगुरु लघु अमूरत, अव्यय कहलाये ।। जय... ।।2।।
नमो आयरियाणं, छत्तीस गुण पालक, स्वामी-2
जैन धर्म के नेता, संघ के संचालक ।। जय... ।। 3 ।।
नमो उवज्झायाणं, चरण करण ज्ञाता, स्वामी-2
अंग उपांग पढ़ाते, ज्ञान दान दाता ।। जय... ।। 4 ।।
नमो लोए सव्वसाहूणं, ममता मदहारी, स्वामी-2
सत्य अहिंसा अस्तेय, ब्रह्मचर्य धारी ।जय... ।। 5 ।।
'चौथमल्ल' कहे शुद्ध मन, जो नर ध्यान धरे, स्वामी-2
पावन पंच परमेष्ठी, मंगलाचार करे ।। जय... ।। 6 ।।

साधना-आराधना

अपने नित्य-प्रति ग्रहण किए व्रत-प्रत्याख्यानों का लेखा-जोखा रत्नसंघ एप्प पर

जैन पर्व

03 फरवरी भ. पद्मप्रभ च्यवन कल्याणक (माघ कृ. 6)
08 फरवरी भ. शीतलनाथ जन्म कल्याणक, दीक्षा कल्याणक (माघ कृ. 12)
09 फरवरी भ. ऋषभदेव निर्वाण कल्याणक (माघ कृ. 13)
11 फरवरी भ. श्रेयांसनाथ केवल्य कल्याणक (माघ कृ. 30)
13 फरवरी भ. अभिनन्दन जन्म कल्याणक, भ. वासुपूज्य केवल्य कल्याणक (माघ शु. 2)
आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमल जी म.सा. का 101 वीं दीक्षा दिवस (माघ शु. 2)
दीक्षा शताब्दी वर्ष समापन दिवस
14 फरवरी भ. विमलनाथ, भ. धर्मनाथ जन्म कल्याणक (माघ शु. 3)
15 फरवरी भ. विमलनाथ दीक्षा कल्याणक (माघ शु. 4)
20 फरवरी भ. अजितनाथ जन्म कल्याणक (माघ शु. 8)
21 फरवरी भ. अजितनाथ दीक्षा कल्याणक (माघ शु. 9)
24 फरवरी भ. अभिनन्दन दीक्षा कल्याणक (माघ शु. 12)
25 फरवरी भ. धर्मनाथ दीक्षा कल्याणक (माघ शु. 13)

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए तालिका को भरें

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28
नवकार मंत्र																												
सामायिक																												
स्वाध्याय																												
नवकारसी																												
दान																												

दुःख का मूल कर्म और कर्म के बीज राग-द्वेष हैं। दुःख मिटाने के लिए राग-द्वेष मिटाना आवश्यक है, जो ज्ञानपूर्वक अभ्यास से ही हो सकता है।- आचार्य हस्ती

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका–फरवरी

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01 16	7.25 7.16	7.14 7.03	7.15 7.09	6.37 6.33
सूर्यास्त	01 16	6.22 6.24	6.08 6.18	6.30 6.37	6.08 6.13
नवकारसी	01 16	8.13 8.04	8.02 7.51	8.03 7.57	7.25 7.21
पोरसी	01 16	10.10 10.03	9.58 9.52	10.04 10.01	9.30 9.28

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

छुट्टियाँ

13 फरवरी	बैंक अवकाश
16 फरवरी	बसंत पंचमी
27 फरवरी	बैंक अवकाश

UPDATE YOUR DATA IN APP

पूर्णिमा के दिन जमीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें
अपने गुरु के वचनों का मान रखें।
रत्न संघ एप्प द्वारा आपका संवाद पर इसका प्रमाण करवा दिया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।

... की कक्षाओं के वस्तुनिष्ठ प्रश्नों द्वारा अभ्यास रत्नसंघ एप्प पर।

जैन वीर संवत् 2547

मार्च 2021 MARCH

विक्रम संवत् 2077 फाल्गुन–चैत्र

सोम MON	1 फाल्गुन कृष्णा 2-3	8 फाल्गुन कृष्णा 10	15 फाल्गुन शुक्ल 2	अष्टमी 22 फाल्गुन शुक्ल 8	धुलण्डी 29 चैत्र कृष्णा 1
मंगल TUE	2 फाल्गुन कृष्णा 4	9 फाल्गुन कृष्णा 11	16 फाल्गुन शुक्ल 3	23 फाल्गुन शुक्ल 9	30 चैत्र कृष्णा 2
बुध WED	3 फाल्गुन कृष्णा 5	10 फाल्गुन कृष्णा 12	17 फाल्गुन शुक्ल 4	24 फाल्गुन शुक्ल 10	31 चैत्र कृष्णा 3
गुरु THU	4 फाल्गुन कृष्णा 6	महाशिवरात्री 11 फाल्गुन कृष्णा 13	18 फाल्गुन शुक्ल 5	25 फाल्गुन शुक्ल 11	पुष्य नक्षत्र 23 मार्च, मंगलवार रात्रि 10.45 बजे से 24 मार्च, बुधवार रात्रि 11.11 बजे तक
शुक्र FRI	5 फाल्गुन कृष्णा 7	चतुर्दशी 12 फाल्गुन कृष्णा 14	19 फाल्गुन शुक्ल 6	26 फाल्गुन शुक्ल 12-13	पंचक 11 मार्च, गुरुवार प्रातः 09.21 से 15 मार्च, सोमवार रात्रि शेष 04.42 बजे तक
शनि SAT	अष्टमी 6 फाल्गुन कृष्णा 8	13 फाल्गुन कृष्णा 30	20 फाल्गुन शुक्ल 7	27 चतुर्दशी फाल्गुन शुक्ल 14	अगर आप एक दिन में सिगरेट का एक पैकेट पीते हैं तो उससे निकलने वाला रेडिएशन छाती के 200 एक्सरे के जितना भी होगा।
रवि SUN	7 फाल्गुन कृष्णा 9	14 फाल्गुन शुक्ल 1	21 फाल्गुन शुक्ल 7	होलिका दहन 28 फाल्गुन शुक्ल 15	

प्रार्थना/भजन

जीवन उन्नत करना चाहो...

जीवन उन्नत करना चाहो, तो सामायिक साधन कर लो।
आकुलता से बचना चाहो, तो..सामायिक साधन कर लो ।। टेर ।।
तन—धन परिजन सब सपने हैं, नश्वर जग में नहीं अपने हैं।
अविनाशी सद्गुण पाना हो, तो..सामायिक साधन कर लो ।। 1 ।।
चेतन निज घर को भूल रहा, पर घर माया में झूल रहा।
सद्चिद् आनंद को पाना हो, तो..सामायिक साधन कर लो ।। 2 ।।
विषयों में निज गुण मत भूलो, अब काम क्रोध में मत झूलो।
समता के सर में नहाना हो, तो..सामायिक साधन कर लो ।। 3 ।।
तन पुष्टि—हित व्यायाम चला, मन पोषण को शुभ ध्यान भला।
आध्यात्मिक बल पाना चाहो,तो..सामायिक साधन कर लो ।। 4 ।।
सब जग जीवों में बंधु भाव, अपनालो तज के भेदभाव।
सब जन के हित में सुख मानो, तो..सामायिक साधन कर लो ।। 5 ।।
निर्व्यसनी हो, प्रामाणिक हो, धोखा न किसी जन के संग हो।
संसार में पूजा पाना हो, तो..सामायिक साधन कर लो ।। 6 ।।
साधक सामायिक—संघ बने, सब जन सुनीति के अंग बने।
नर लोक में स्वर्ग बसाना हो, तो..सामायिक साधन कर लो ।। 7 ।।

केन्द्रीय कार्यकारिणी

संघ एवं संघीय संस्थाओं के कार्यकारिणी सदस्यों की जानकारी रत्नसंघ एप्प पर

जैन पर्व

04 मार्च भ. सुपार्श्वनाथ केवल कल्याणक (फाल्गुन कृ.6)
05 मार्च भ. सुपार्श्वनाथ निर्वाण कल्याणक, भ. चन्द्रप्रभ केवल कल्याणक (फाल्गुन कृ.7)
07 मार्च भ.सुविधिनाथ च्यवन कल्याणक (फाल्गुन कृ.9)
09 मार्च भ. ऋषभदेव केवल कल्याणक (फाल्गुन कृ.11)
10 मार्च भ. श्रेयांसनाथ जन्म कल्याणक, भ. मुनिसुव्रत केवल कल्याणक (फाल्गुन कृ.12)
11 मार्च भ.श्रेयांसनाथ दीक्षा कल्याणक (फाल्गुन कृ.13)
12 मार्च भ. वासुपूज्य जन्म कल्याणक (फाल्गुन कृ 14)
13 मार्च भ. वासुपूज्य दीक्षा कल्याणक (फाल्गुन कृ.30)
15 मार्च भ. अरनाथ च्यवन कल्याणक (फाल्गुन शु 2)
17 मार्च भ. मल्लिनाथ च्यवन कल्याणक (फाल्गुन शु 4)
22 मार्च भ. संभवनाथ च्यवन कल्याणक (फाल्गुन शु 8)
26 मार्च भ. मल्लिनाथ निर्वाण कल्याणक (फाल्गुन शु 12)
28 मार्च फाल्गुनी चौमासी (चातुर्मासिक पर्व)

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख शांति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए तालिका को भरें

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
नवकार मंत्र																															
सामायिक																															
स्वाध्याय																															
नवकारसी																															
दान																															

ज्ञान के साथ जो तपस्या है वह ऐसी बड़ी-बड़ी शक्तियों को प्रकट कर देती है, जिससे मानव का मन हिल जाता है। - आचार्य हस्ती

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका–मार्च

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	7.03	6.53	7.00	6.27
	16	6.48	6.37	6.48	6.18
सूर्यास्त	01	6.37	6.26	6.43	6.16
	16	6.45	6.35	6.47	6.18
नवकारसी	01	7.51	7.41	7.48	7.15
	16	7.36	7.25	7.36	7.06
पोरसी	01	9.57	9.47	9.56	9.25
	16	9.48	9.37	9.48	9.18

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

छुट्टियाँ

11 मार्च	महाशिवरात्रि
13 मार्च	बैंक अवकाश
27 मार्च	बैंक अवकाश
28 मार्च	होली
29 मार्च	धुलेण्डी

पूर्णिमा के दिन जमीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें
अपने गुरु के वचनों का मान रखें।
रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।

UPDATE YOUR DATA IN APP

जैन वीर संवत् 2547 | **अप्रैल 2021 APRIL** | विक्रम संवत् 2077-78 चैत्र-वैशाख

सोम MON	पुष्य नक्षत्र 20 अप्रैल, मंगलवार प्रातः 06.53 बजे से 21 अप्रैल, बुधवार प्रातः 07.58 बजे तक	**5** चैत्र कृष्ण 9	**12** चैत्र कृष्ण 30	**19** चैत्र शुक्ल 7	चतुर्दशी पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी **26** चैत्र शुक्ल 14
मंगल TUE	पंचक 07 अप्रैल, बुधवार दोपहर 03.00 बजे से 12 अप्रैल, सोमवार प्रातः 11.28 बजे तक	**6** चैत्र कृष्ण 10	**13** चैत्र शुक्ल 1	अष्टमी **20** चैत्र शुक्ल 8	**27** चैत्र शुक्ल 15, वै.कृ.1
बुध WED		**7** चैत्र कृष्ण 11	डा. अम्बेडकर जयन्ती **14** चैत्र शुक्ल 2	श्री राम नवमी **21** चैत्र शुक्ल 9	**28** वैशाख कृष्ण 2
गुरु THU	**1** चैत्र कृष्ण 4	**8** चैत्र कृष्ण 12	**15** चैत्र शुक्ल 3	**22** चैत्र शुक्ल 10	**29** वैशाख कृष्ण 3
शुक्र FRI	गुड फ्राइडे **2** चैत्र कृष्ण 5-6	**9** चैत्र कृष्ण 13	**16** चैत्र शुक्ल 4	**23** चैत्र शुक्ल 11	**30** वैशाख कृष्ण 4
शनि SAT	**3** चैत्र कृष्ण 7	**10** चतुर्दशी चैत्र कृष्ण 14	**17** चैत्र शुक्ल 5	**24** चैत्र शुक्ल 12	विश्व भर में धूम्रपान करने से हुई बीमारियों के इलाज पर हर साल 560 विलियन डॉलर का मेडिकल खर्च आता है। POWER OF YOUTH
रवि SUN	अष्टमी **4** चैत्र कृष्ण 8	पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी **11** चैत्र कृष्ण 30	**18** चैत्र शुक्ल 6	भ.महावीर ज.कल्याणक **25** चैत्र शुक्ल 13	

प्रार्थना/भजन

मुनिवर मान महान है

मुनिवर "मान" महान है, जिन शासन की शान हैं, त्यागी और वैरागी उत्तम, साधु की पहचान हैं ।। टेर।।
रत्नवंश के अनुपम मोती, उपाध्याय पद पाया हो।
नाम "मान" पर ज्ञान क्रिया का, मान तनिक नहीं आया हो।
जीवन विनय प्रधान है, गुण रत्नों की खान हो ।। 1।। त्यागी.....
चौथा आरा याद करें, जो वाणी अमृत पीले हो।
गहरा आगम ज्ञान है, साधक प्रज्ञावान हैं ।। 2।। त्यागी.....
तप संयम का तेज झलकता, कर में रहती माला हो।
तारों में चन्दा सा देखो, है व्यक्तित्व निराला हो।
चेहरे पर मुस्कान है, शान्त, सौम्य, गुणवान हैं ।। 3।। त्यागी.....
सन्तों की सेवा में, निश-दिन, आप रहे हैं आगे हो।
शिथिलाचार प्रपंचों से, दूर हमेशा भागे हो।
कथनी करनी समान है, करता "गौतम" गान है ।।4।। त्यागी.....

प्रश्न-मंच

सामायिक-प्रतिक्रमण सूत्र एवं शिक्षण बोर्ड की कक्षाओं के वस्तुनिष्ठ प्रश्नों द्वारा अभ्यास
रत्नसंघ एप्प पर

जैन पर्व

- 01 अप्रेल भ. पार्श्वनाथ च्यवन कल्याणक एवं केवल कल्याणक (चैत्र कृ.4)
- 02 अप्रेल भ. चन्द्रप्रभ च्यवन कल्याणक (चैत्र कृ.5)
- 04 अप्रेल भ. ऋषभदेव जन्म कल्याणक एवं दीक्षा कल्याणक (चैत्र कृ.8)
  आचार्य प्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्र जी म.सा. का 83वाँ जन्म-दिवस (चैत्र कृ. 8)
- 15 अप्रेल भ. कुंथुनाथ केवल कल्याणक (चैत्र शु.3)
- 17 अप्रेल भ. अजितनाथ, भ. संभवनाथ, भ. अनन्तनाथ निर्वाण कल्याणक (चैत्र शु.5)
- 19 अप्रेल आयम्बिल ओली प्रारम्भ
- 21 अप्रेल भ. सुमतिनाथ निर्वाण कल्याणक (चैत्र शु.9)
- 23 अप्रेल भ. सुमतिनाथ केवल कल्याणक (चैत्र शु.11)
- 25 अप्रेल भ. महावीर जन्म कल्याणक (चैत्र शु.13)
- 27 अप्रेल भ. पद्मप्रभ केवल कल्याणक (चैत्र शु.15)
  आयम्बिल ओली पूर्ण (चैत्र शु.15)
  कुंथुनाथ निर्वाण कल्याणक (वैशाख कृ.1)
- 28 अप्रेल भ. शीतलनाथ निर्वाण कल्याणक (वैशाख कृ.2)

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए तालिका को भरें

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
नवकार मंत्र																														
सामायिक																														
स्वाध्याय																														
नवकारसी																														
दान																														

मन में गांठ बांधकर रखोगे तो साथ में काम करने वालों की गाड़ी आगे नहीं चलेगी, गाड़ी अटक जाएगी।- आचार्य हस्ती

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका-अप्रैल
स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	6.31	6.18	6.35	6.07
	16	6.16	6.04	6.23	5.57
सूर्यास्त	01	6.53	6.43	6.51	6.19
	16	7.00	6.51	6.55	6.20
नवकारसी	01	7.19	7.06	7.23	6.55
	16	7.04	6.52	7.11	6.45
पारणा	01	9.37	9.25	9.39	9.10
	16	9.27	9.16	9.31	9.03

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

छुट्टियाँ

- 2 अप्रैल गुड फ्राइडे
- 10 अप्रैल बैंक अवकाश
- 13 अप्रैल चेटीचण्ड
- 14 अप्रैल डॉ. अम्बेडकर ज.
- 21 अप्रैल श्री राम नवमी
- 24 अप्रैल बैंक अवकाश
- 25 अप्रैल श्री महावीर जयंती

पूर्णिमा के दिन जमीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें
अपने गुरु के वचनों का मान रखें।
रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।

UPDATE YOUR DATA IN APP

जैन वीर संवत् 2547

मई 2021 MAY

विक्रम संवत् 2078
वैशाख–ज्येष्ठ

वार					
सोम MON	31 ज्येष्ठ कृष्ण 6	3 वैशाख कृष्ण 7	चतुर्दशी 10 वैशाख कृष्ण 14	17 वैशाख शुक्ल 5	24 [illegible] वैशाख शुक्ल 13
मंगल TUE		अष्टमी 4 वैशाख कृष्ण 8	पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी 11 वैशाख कृष्ण 30	18 वैशाख शुक्ल 6	चतुर्दशी 25 पक्खी [illegible] वैशाख शुक्ल 14
बुध WED		5 वैशाख कृष्ण 9	12 वैशाख शुक्ल 1	19 वैशाख शुक्ल 7	बुद्ध पूर्णिमा 26 वैशाख शुक्ल 15
गुरु THU		6 वैशाख कृष्ण 10	13 वैशाख शुक्ल 2	अष्टमी 20 [illegible] वैशाख शुक्ल 8	27 ज्येष्ठ कृष्ण 1
शुक्र FRI		7 वैशाख कृष्ण 11	14 [illegible] [illegible] वैशाख शुक्ल 3	21 [illegible] वैशाख शुक्ल 9	28 ज्येष्ठ कृष्ण 2
शनि SAT	1 वैशाख कृष्ण 5	8 वैशाख कृष्ण 12	15 वैशाख शुक्ल 3	22 वैशाख शुक्ल 10	29 ज्येष्ठ कृष्ण 3-4
रवि SUN	2 वैशाख कृष्ण 6	9 वैशाख कृष्ण 13	16 वैशाख शुक्ल 4	23 वैशाख शु. 11-12	30 [illegible] ज्येष्ठ कृष्ण 5

पुष्य नक्षत्र
17 मई, सोमवार
दोपहर 01.22 बजे से
18 मई, मंगलवार
दोपहर 02.54 बजे तक

पचक
04 मई, मंगलवार
रात्रि 08.43 बजे से
09 मई, रविवार
सायं 05.28 बजे तक

जिन बच्चो के माँ-बाप सिगरेट पीते हैं उनको पैदा होने के एक दो साल के अंदर ही निमोनिया या दमे की बीमारी के चांस 30% बढ़ जाते हैं।

प्रार्थना/भजन

तुमसे लागी लगन

तुमसे लागी लगन, ले लो अपनी शरण, पारस प्यारा, मेटो मेटोजी संकट हमारा ।। टेर ।।
निश दिन तुमको जपूं, पर से नेहा तजूं, जीवन सारा, तेरे चरणों में बीते हमारा ।। मेटो... ।।1 ।।
अश्वसेन के राजदुलारे, वामादेवीके सुत प्राण प्यारे।
सबसे नेहा तोड़ा, जग से मुँह मोड़ा, संयम धारा ।। मेटो.. ।।2 ।।
इन्द्र और धरणेन्द्र भी आये, देवी पद्मावती मंगल गाये।
आशा पूरो सदा, दुःख नहीं पावे कदा, सेवक थारा ।। मेटो... ।।3 ।।
जग के दुःख की भी परवाह नहीं है, स्वर्ग सुख की भी चाह नहीं है।
मेटो जन्म मरण, होवे ऐसा यतन, पारस प्यारा। मेटो... ।।4 ।।
लाखों बार तुम्हें शीश नमाऊँ, जग के नाथ तुम्हें कैसे पाऊँ।
'पंकज' व्याकुल भया, दर्शन बिन यह जिया लागे खारा।। मेटो... ।।5 ।।

ग्रीष्मकालीन अवकाश का सदुपयोग

बालक-बालिकाओं में नैतिकता एवं संस्कारों का वपन करने के लिए युवक परिषद् द्वारा ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन किया जाता है। कोरोना महामारी की स्थिति को देखकर उपयुक्त योजना बनाने का प्रयास रहेगा। जिसकी सूचना समयानुसार प्रेषित की जायेगी।

फोन : 0291 2636763
Email : yuvakparishad@gmail.com

विचरण-विहार

रत्नसंघीय संत-सतीवृन्द के विहार के पश्चात् की जानकारी रत्नसंघ एप्प पर

जैन पर्व

01 मई भ. कुंथुनाथ दीक्षा कल्याणक (वैशाख कृ.5)
02 मई भ. शीतलनाथ च्यवन कल्याणक (वैशाख कृ.6)
06 मई भ.नमिनाथ निर्वाण कल्याणक (वैशाख कृ.10)
09 मई भ.अनन्तनाथ जन्म कल्याणक (वैशाख कृ.13)
10 मई भ.अनन्तनाथ दीक्षा कल्याणक, केवल कल्याणक, भ. कुंथुनाथ जन्म कल्याणक (वैशाख कृ.14)
14 मई अक्षय तृतीया, आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमल जी म.सा. का 92वां आचार्य पदारोहण दिवस- स्वाध्याय दिवस, आचार्यप्रवर पूज्य श्री कजोड़ीमल जी म.सा. का 142वां स्मृति-दिवस (वैशाख श. 3)
16 मई भ. अभिनन्दन च्यवन कल्याणक (वैशाख शु.4)
19 मई भ. धर्मनाथ च्यवन कल्याणक (वैशाख शु.7)
20 मई भ. अभिनन्दन निर्वाण कल्याणक, भ. सुमतिनाथ जन्म कल्याणक (वैशाख शु.8) आचार्य भ. पूज्य श्री हस्तीमल जी म.सा. का 30 वां स्मृति दिवस (वैशाख श.8)
21 मई भगवान सुमतिनाथ दीक्षा कल्याणक (वैशाख श.9)
22 मई भ. महावीर केवल कल्याणक (वैशाख श.10)
23 मई संघ स्थापना दिवस (वैशाख श.11) भ. विमलनाथ च्यवन कल्याणक (वैशाख श.12)
24 मई भ. अजितनाथ च्यवन कल्याणक (वैशाख श.13)
30 मई आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्द जी म.सा. का 31वां आचार्य पद दिवस (ज्येष्ठ कृ. 5)
31 मई भ. श्रेयांसनाथ च्यवन कल्याणक (ज्येष्ठ कृ.6)
[illegible]

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए नियमित करें

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
नवकार मंत्र																															
सामायिक																															
स्वाध्याय																															
नवकारसी																															
दान																															

यदि जीवन बनाना है, जीवन का निर्माण करना है तो प्रत्येक को स्वाध्याय करना पड़ेगा। स्वाध्याय के बिना ज्ञान की ज्योति नहीं जगेगी।- आचार्य हस्ती

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका-मई

स्टण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01 16	6.03 5.53	5.50 5.40	6.13 6.06	5.50 5.43
सूर्यास्त	01 16	7.07 7.14	6.59 7.07	6.59 7.04	6.23 6.26
नवकारसी	01 16	6.51 6.41	6.38 6.28	7.01 6.54	6.38 6.33
पोरसी	01 16	9.19 9.14	9.08 9.02	9.25 [illegible]	8.59 8.56

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

छुट्टियाँ

8 मई	बैंक अवकाश
14 मई	श्री परशुराम जयंती
22 मई	बैंक अवकाश
26 मई	बुद्ध पूर्णिमा

UPDATE YOUR DATA IN रत्नसंघ APP

पूर्णिमा के दिन जमींकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें
अपने गुरु के वचनों का मान रखें।
रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर सूचना प्रदान कर दिया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।

जैन वीर संवत् 2547

जून 2021 JUNE

विक्रम संवत् 2078 ज्येष्ठ–आषाढ़

सोम MON		**7** ज्येष्ठ कृष्ण 12	**14** ज्येष्ठ शुक्ल 4	**21** ज्येष्ठ शुक्ल 11	**28** आषाढ़ कृष्ण 4
मंगल TUE	**1** ज्येष्ठ कृष्ण 7	**8** ज्येष्ठ कृष्ण 13	**15** ज्येष्ठ शुक्ल 5	**22** ज्येष्ठ शुक्ल 12	**29** आषाढ़ कृष्ण 5
बुध WED	अष्टमी **2** ज्येष्ठ कृष्ण 8	चतुर्दशी **9** पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी ज्येष्ठ कृष्ण 14	**16** ज्येष्ठ शुक्ल 6	चतुर्दशी **23** ज्येष्ठ शुक्ल 13-14	**30** आषाढ़ कृष्ण 6
गुरु THU	**3** ज्येष्ठ कृष्ण 9	**10** ज्येष्ठ कृष्ण 30	**17** ज्येष्ठ शुक्ल 7	**24** पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी ज्येष्ठ शुक्ल 15	रवि पुष्य नक्षत्र 13 जून, रविवार सांय 07.01 बजे से 14 जून, सोमवार सांय 08.35 बजे तक
शुक्र FRI	**4** ज्येष्ठ कृष्ण 10	**11** ज्येष्ठ शुक्ल 1	अष्टमी **18** ज्येष्ठ शुक्ल 8	**25** आषाढ़ कृष्ण 1	पंचक 31 मई, सोमवार रात्रिशेष 03.59 बजे से 05 जून, शनिवार रात्रि 11.27 बजे तक 28 जून, सोमवार दोपहर 12.59 बजे से 03 जुलाई, शनिवार प्रातः 06.13 बजे तक
शनि SAT	**5** ज्येष्ठ कृष्ण 11	**12** ज्येष्ठ शुक्ल 2	**19** ज्येष्ठ शुक्ल 9	**26** आषाढ़ कृष्ण 2	करोड़ों रूपये का धूम्रपान प्रतिवर्ष भारत में होता है। इससे भारतीय सेना का वार्षिक खर्च लगभग 2 वर्ष तक चलाया जा सकता है। POWER OF YOUTH व्यसन मुक्त
रवि SUN	**6** ज्येष्ठ कृष्ण 11	महाराणा प्रताप ज. **13** ज्येष्ठ शुक्ल 3	**20** ज्येष्ठ शुक्ल 10	**27** आषाढ़ कृष्ण 3	

प्रार्थना/भजन

मेरे अन्तर भया प्रकाश

मेरे अन्तर भया प्रकाश, नहीं अब मुझे किसी की आश।।टेर।।
काल अनन्त रूलाभव-वन में, बँधा मोह के पाश।
काम क्रोध मद लोभ भावसे, बना जगत का दास।। 1।।
तन धन परिजन सब ही पर हैं, पर की आश निराश।
पुद्गल को अपना कर मैंने, किया सत्व का नाश।। 2।।
रोग शोक नहीं मुझ को देते, जरा मात्र भी त्रास।
सदा शांतिमय मैं हूँ मेरा, अचल रूप है खास।। 3।।
इस जग की ममता ने, मुझ को डाला गर्भावास।
अस्थि मांस मय अशुद्धि देह में, मेरा हु आनिवास।। 4।।
ममता से संताप उठाया, आज हुआ विश्वास।
भेद ज्ञान की पैनी धार से, काट दिया वह पाश।। 5।।
मोह मिथ्यात्व की गाँठ गले, तब होवे ज्ञान प्रकाश।
'गजेन्द्र' देखे अलख रूप को, फिरन किसी की आश।।6।।

व्यक्ति अशान्ति को मिटाना चाहता है, पर अशान्ति तब तक नहीं मिटती जब तक विकल्प नहीं मिटते क्योंकि अशांति और विकल्प साथ-साथ जन्म लेते है।

जैन पर्व

02 जून भगवान मुनिसुव्रत जन्म कल्याणक (ज्येष्ठ कृ.8)
03 जून भगवान मुनिसुव्रत निर्वाण कल्याणक (ज्येष्ठ कृ.9)
08 जून भगवान शांतिनाथ जन्म कल्याणक, निर्वाण कल्याणक (ज्येष्ठ कृ.13)
09 जून भ. शांतिनाथ दीक्षा कल्याणक (ज्येष्ठ कृ.14)
15 जून भ. धर्मनाथ निर्वाण कल्याणक (ज्येष्ठ शु.5)
19 जून भ. वासुपूज्य च्यवन कल्याणक (ज्येष्ठ शु.9)
21 जून 21 जून आर्द्रा नक्षत्र प्रारम्भ (गाज बीज होने पर अस्वाध्याय नहीं रहेगी।)
22 जून भ. सुपार्श्वनाथ जन्म कल्याणक, भ.मुनिसुव्रत दीक्षा कल्याणक (ज्येष्ठ शु.12)
23 जून भ. सुपार्श्वनाथ दीक्षा कल्याणक (ज्येष्ठ शु.13)
क्रियोद्धारक आचार्य प्रवर पूज्य श्री रतनचन्द जी म.सा. का 176वां स्मृति दिवस (ज्येष्ठ शु.14)
26 जून 225 वाँ क्रियोद्धारक दिवस (आषाढ़ कृ.2)
28 जून भ. ऋषभदेव च्यवन कल्याणक (आषाढ़ कृ.4)

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए तालिका को भरें

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
नवकार मंत्र																														
सामायिक																														
स्वाध्याय																														
नवकारसी																														
दान																														

साधक जब ज्ञान का प्रकाश पा लेता है तब वह भौतिकता के सारे लुभावने आकर्षणों से दूर हट जाता है। - आचार्य हस्ती

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका–जून
स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	5.47	5.33	6.02	5.43
	16	5.48	5.33	6.03	5.44
सूर्यास्त	01	7.23	7.15	7.10	6.30
	16	7.29	7.22	7.15	6.35
नवकारसी	01	6.35	6.21	6.50	6.31
	16	6.36	6.21	6.51	6.32
पोरसी	01	9.11	8.59	9.19	8.55
	16	9.14	9.01	9.21	8.57

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

छुट्टियाँ

12 जून बैंक अवकाश
13 जून महाराणा प्रताप जयंती
26 जून बैंक अवकाश

UPDATE YOUR DATA IN रत्नसंघ APP

पूर्णिमा के दिन जमीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें। अपने गुरु के वचनों का मान रखें। रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।

जैन वीर संवत् 2547

जुलाई 2021 JULY

विक्रम संवत् 2078
आषाढ़–श्रावण

सोम MON	रवि पुष्य नक्षत्र 10 जुलाई, शनिवार रात्रिशेष 01.02 बजे से 11 जुलाई, रविवार रात्रिशेष 02.21 बजे तक	5 आषाढ़ कृष्णा 11	12 आषाढ़ शुक्ला 2	19 आषाढ़ शुक्ला 10	26 श्रावण कृष्णा 3
मंगल TUE	90% बच्चे अपने माँ, बाप, भाई, मित्र से धूम्रपान सीखते हैं।	6 आषाढ़ कृष्णा 12	13 आषाढ़ शुक्ला 3	20 आषाढ़ शुक्ला 11	27 श्रावण कृष्णा 4
बुध WED	भारत में पकड़े गए अपराधियों में 85% नशेबाज होते हैं।	7 आषाढ़ कृष्णा 13	14 आषाढ़ शुक्ला 4	21 आषाढ़ शुक्ला 12	28 श्रावण कृष्णा 5
गुरु THU	1 आषाढ़ कृष्णा 7	चतुर्दशी 8 आषाढ़ कृष्णा 14	15 आषाढ़ शुक्ला 5	22 आषाढ़ शुक्ला 13	29 श्रावण कृष्णा 6
शुक्र FRI	अष्टमी 2 आषाढ़ कृष्णा 8	पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी 9 आषाढ़ कृष्णा 30	16 आषाढ़ शुक्ला 6-7	चतुर्दशी 23 पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी आषाढ़ शुक्ला 14	30 श्रावण कृष्णा 7
शनि SAT	3 आषाढ़ कृष्णा 9	10 आषाढ़ कृष्णा 30	अष्टमी 17 आषाढ़ शुक्ला 8	24 आषाढ़ शुक्ला 15-श्रा. कृ.1	अष्टमी 31 श्रावण कृष्णा 8
रवि SUN	4 आषाढ़ कृष्णा 10	11 आषाढ़ शुक्ला 1	18 आषाढ़ शुक्ला 9	25 श्रावण कृष्णा 2	पंचक 28 जून, सोमवार दोपहर 12.59 बजे से 03 जुलाई, शनिवार प्रातः 06.13 बजे तक 25 जुलाई, रविवार रात्रि 10.48 बजे से 30 जुलाई, शुक्रवार दोपहर 02.01 बजे तक

प्रार्थना/भजन

आओ भगवन आओ

तर्ज: बच्चे मन के सच्चे

आओ भगवन् आओ, इस अन्तर मन में आओ।
मेरे जीवन के कण कण में, बनकर प्राण समाओ।
लिया तुम्हारा शरणा है, मोह निराकृत करना है।
इसने मुझको मारा है, तुमने इसे संहारा है।
तब ही जिन कहलाते हो, सब को राह दिखाते हो
बनकर निर्देशक इस रण में, मुझको विजय दिलाओ।। 1 ।। आओ...
चारों ओर अँधेरा है, एक सहारा तेरा है,
जीवन सूना सूना है, पिछड़ा दूना दूना है।
बुझा हुआ हूँ दीप प्रभु, आया आज समीप प्रभु
तुम जलते दीपक हो, मुझको अपने तुल्य बनाओ।। 2 ।। आओ...
निज को इतना भूल गया, बिल्कुल ही बन धूल गया,
आसमान का तारा हूँ, इस धरती से न्यारा हूँ।
इस जग में विच्छेद मिले, तेरा मुझे अभेद मिले,
अपनी ऊँची श्रेणी में अब, मुझको भी बिठलाओ ।। 3 ।। आओ...
बोधि बीज जो पाया है, तरु बनकर मुस्काया है,
सत्य ज्ञान का हो सिंचन, झंझाओं से हो रक्षण।
फल आने की ऋतु आए, भव्य साधना बन जायें,
पत्रित पुष्पित और फलित हो, वो, करुणा रस बरसाओ ।। 4 ।। आओ...

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए तालिका को भरें

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
नवकार मंत्र																															
सामायिक																															
स्वाध्याय																															
नवकारसी																															
दान																															

जैन पर्व

- 01 जुलाई भ. विमलनाथ निर्वाण कल्याणक (आषाढ़ कृ.7)
- 16 जुलाई भ. महावीर च्यवन कल्याणक (आषाढ़ शु.6)
- 17 जुलाई भ. अरिष्टनेमि निर्वाण कल्याणक (आषाढ़ शु.8)
- 23 जुलाई भ. वासुपूज्य निर्वाण कल्याणक (आषाढ़ शु.14) आषाढ़ी चातुर्मासिक पर्व (चातुर्मास प्रारम्भ)
- 26 जुलाई भ. श्रेयांसनाथ निर्वाण कल्याणक (श्रावण कृ.3)
- 30 जुलाई भ. अनन्तनाथ च्यवन कल्याणक (श्रावण कृ.7)
- 31 जुलाई भ. नमिनाथ जन्म कल्याणक (श्रावण कृ.8)

प्रत्येक श्रावक को यह सोचना चाहिए कि वह दिन धन्य होगा, जिस दिन अपने परिग्रह में से थोड़ा दान शुभ कार्यों के लिए निकालूंगा।- आचार्य हस्ती

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका–जुलाई

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	5.51	5.36	6.06	5.47
	16	5.57	5.43	6.11	5.51
सूर्यास्त	01	7.32	7.24	7.18	6.38
	16	7.31	7.22	7.18	6.38
नवकारसी	01	6.39	6.24	6.54	6.35
	16	6.45	6.31	6.59	6.39
पोरसी	01	9.17	9.03	9.24	9.00
	16	9.21	9.08	9.28	9.03

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

छुट्टियाँ

10 जुलाई बैंक अवकाश
24 जुलाई बैंक अवकाश

रत्नसंघ एप्प में नये फीचर्स :

देव गुरु धर्म की प्रार्थना - स्तुति प्रतिदिन करनी चाहिए। उसी कड़ी में प्रार्थनाओं की राग को समझने के लिए याद करने के लिए अब ऑडियो फॉर्मेट में भी। जहां गुरु भगवंत हो वहां प्रार्थना स्थानक में जाकर गुरु भगवंतों की शरण में करें।

पूर्णिमा के दिन जमीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें
अपने गुरु के वचनों का मान रखें।
रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अत: एप्प डाउनलोड करें।

UPDATE YOUR DATA IN रत्नसंघ APP

जैन वीर संवत् 2547

अगस्त 2021 AUGUST

विक्रम संवत् 2078
श्रावण–भाद्रपद

वार					
सोम MON	जन्माष्टमी **30** अष्टमी भाद्रपद कृष्णा 8	**2** श्रावण कृष्णा 9	**9** श्रावण शुक्ल 1	अष्टमी **16** श्रावण शुक्ल 8-9	**23** भाद्रपद कृष्ण 1
मंगल TUE	**31** भाद्रपद कृष्णा 9	**3** श्रावण कृष्णा 10	**10** श्रावण शुक्ल 2	**17** श्रावण शुक्ल 10	**24** भाद्रपद कृष्ण 2
बुध WED		**4** श्रावण कृष्णा 11	**11** श्रावण शुक्ल 3	**18** श्रावण शुक्ल 11	**25** भाद्रपद कृष्ण 3
गुरु THU		**5** श्रावण कृष्णा 12	**12** श्रावण शुक्ल 4	**19** श्रावण शुक्ल 12	**26** भाद्रपद कृष्ण 4
शुक्र FRI		**6** श्रावण कृष्णा 13	**13** श्रावण शुक्ल 5	**20** श्रावण शुक्ल 13	**27** भाद्रपद कृष्ण 5
शनि SAT		चतुर्दशी **7** श्रावण कृष्णा 14	**14** श्रावण शुक्ल 6	चतुर्दशी **21** श्रावण शुक्ल 14	**28** भाद्रपद कृष्ण 6
रवि SUN	अष्टमी **1** श्रावण कृष्णा 8	**8** श्रावण कृष्णा 30	स्वतन्त्रता दिवस **15** श्रावण शुक्ल 7	रक्षा बंधन **22** श्रावण शुक्ल 15	**29** भाद्रपद कृष्ण 7

रवि पुष्य नक्षत्र
07 अगस्त, शनिवार प्रातः 08.11 बजे से 08 अगस्त, रविवार प्रातः 08.18 बजे तक

पचक
22 अगस्त, रविवार प्रातः 07.57 बजे से 26 अगस्त, गुरुवार रात्रि 10.28 बजे तक

सिगरेट में CADMIUM नामक रसायन पाया जाता है यही CADMIUM बैटरी में भी पाया जाता है। बैटरी को तोड़ने पर जो काला टार निकलता है उसमें ये निहित होता है।

प्रार्थना/भजन

गुरु हस्ती दीनदयाला

(तर्ज : बड़ी देर भई नन्दलाला........)

गुरु हस्ती दीनदयाला, जीवन था भव्य निराला,
दिव्य साधना से जिनके, अन्तर में भया उजाला रे ।। टेर ।।

कभी न उलझे मोह-माया में, भौतिकता से दूर रहे,
लघुवय में ही सन्त बने, और तप-संयम में शूर रहे,
बीस वर्ष की अल्पायु में, पद आचार्य सम्भाला रे ।। 1 ।।

कोई न खाली हाथ लौटता, द्वार आपके जो आता,
सामायिक-स्वाध्याय नियम के, कुछ मोती वह पा जाता,
कई दु:खी व्यसनी थे उनको, व्यसन मुक्तकर डाला रे ।।2 ।।

कहीं मिटाई फूट कहीं पर, जीवों के बलिदान रुके,
कहीं किया निर्भय लोगों को, कहीं विरोधी आन झुके,
कहीं जुड़ी विद्वत् परिषद् तो, कहीं धार्मिक शाला रे ।।3 ।।

जिनशासन की रक्षा के हित, स्वाध्यायी तैयार किये,
फिर से जागी नई चेतना, कई ऐसे उपकार किये,
पल-पल याद करेगी जनता, कैसा जादू डाला रे ।। 4 ।।

अन्त समय निमाज में जाकर, अपना वचन निभाया था,
तेला कर संथारे का इक, नव इतिहास बनाया था,
जैनधर्म की शान बढ़ी, मुनि 'गौतम' जपता माला रे ।।5 ।।

सामायिक में जरूरी बातें

1. मन की शिथिलता-मन को विकल्पों से खाली कर देना।
2. शरीर की शिथिलता-शरीर को तनावों से मुक्त कर देना
3. प्रकम्पों का अग्रहण जैसे ही मन समभाव में जाता है, प्रकम्पन बंद हो जाते है।

जैन पर्व

02 अगस्त भ. कुंथुनाथ च्यवन कल्याणक, भ. नमिनाथ दीक्षा कल्याणक (श्रावण कृ.9)
08 अगस्त आचार्यप्रवर पूज्यश्री शोभाचन्द्र जी म.सा. का 95वां स्मृति-दिवस (श्रावण कृष्ण 30)
10 अगस्त भ. सुमतिनाथ च्यवन कल्याणक (श्रावण शु.2)
13 अगस्त भ. अरिष्टनेमि जन्म कल्याणक (श्रावण शु.5)
14 अगस्त भ. अरिष्टनेमि दीक्षा कल्याणक (श्रावण शु.6)
16 अगस्त भ. पार्श्वनाथ निर्वाण कल्याणक (श्रावण शु.8)
22 अगस्त भ. मुनिसुव्रत च्यवन कल्याणक (श्रावण शु.15)
29 अगस्त भ. चन्द्रप्रभ निर्वाण कल्याणक, भ. शांतिनाथ च्यवन कल्याणक (भादपद कृ.7)
30 अगस्त भ. सुपार्श्वनाथ च्यवन कल्याणक (भादपद कृ 8)

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा में सुरक्षा के लिए तालिका को भरें

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
नवकार मंत्र																															
सामायिक																															
स्वाध्याय																															
नवकारसी																															
दान																															

प्रभात के समय अवश्य वीतराग का ध्यान करो, चिन्तन करो, स्मरण करो और वीतराग की प्रार्थना करके बल प्राप्त करो।- आचार्य हस्ती

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका–दिसम्बर

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01 16	6.05 6.13	5.52 5.59	6.17 6.21	5.55 5.58
सूर्यास्त	01 16	7.22 7.11	7.14 7.03	7.13 7.05	6.36 6.29
[illegible]	01 16	6.53 7.01	6.40 6.47	7.05 7.09	6.43 6.46
[illegible]	01 16	9.28 9.28	9.13 9.15	9.31 9.32	9.06 9.06

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

छुट्टियाँ

7 अगस्त बैंक अवकाश
9 अगस्त विश्व आदिवासी दि.
15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस
19 अगस्त मुहर्रम
21 अगस्त बैंक अवकाश
22 अगस्त रक्षाबन्धन
30 अगस्त जन्माष्टमी

पूर्णिमा के दिन जमींकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें
अपने गुरु के वचनों का मान रखें।
रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अत: एप्प डाउनलोड करें।

UPDATE YOUR DATA IN रत्नसंघ APP

जैन वीर संवत् 2547 | सितम्बर 2021 SEPTEMBER | विक्रम संवत् 2078 भाद्रपद–आश्विन

सोम MON	पञ्चक 16 सितम्बर, शनिवार दोपहर 03.26 बजे से 23 सितम्बर, गुरुवार प्रातः 06.43 बजे तक	पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी **6** चतुर्दशी भाद्रपद कृष्ण 14-30	**13** भाद्रपद शुक्ल 7	पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी **20** भाद्रपद शुक्ल 15	**27** आश्विन कृष्ण 6
मंगल TUE	[illegible]	**7** भाद्रपद शुक्ल 1	अष्टमी **14** भाद्रपद शुक्ल 8	**21** आश्विन कृष्ण 1	**28** आश्विन कृष्ण 7
बुध WED	**1** भाद्रपद कृष्ण 10	**8** भाद्रपद शुक्ल 2	**15** भाद्रपद शुक्ल 9	**22** आश्विन कृष्ण 2	अष्टमी **29** आश्विन कृष्ण 8
गुरु THU	**2** भाद्रपद कृष्ण 11	**9** भाद्रपद शुक्ल 3	**16** भाद्रपद शुक्ल 10	**23** आश्विन कृष्ण 2	**30** आश्विन कृष्ण 9
शुक्र FRI	**3** भाद्रपद कृष्ण 11	**10** भाद्रपद शुक्ल 4	**17** भाद्रपद शुक्ल 11	श्राविका गौरव दिवस संस्कार बोध दिवस **24** आश्विन कृष्ण 3	
शनि SAT	पर्युषण पर्व प्रारम्भ **4** भाद्रपद कृष्ण 12	**11** संवत्सरी महापर्व भाद्रपद शुक्ल 5	**18** भाद्रपद शुक्ल 12-13	**25** आश्विन कृष्ण 4	पुष्य नक्षत्र 03 सितम्बर, शुक्रवार दोपहर 04.42 बजे से 04 सितम्बर, शनिवार सांय 05.44 बजे तक 30 सितम्बर, गुरुवार रात्रि शेष 01.33 बजे से 01 अक्टूबर, शुक्रवार रात्रि शेष 02.56 बजे तक
रवि SUN	**5** भाद्रपद कृष्ण 13	**12** भाद्रपद शुक्ल 6	चतुर्दशी **19** भाद्रपद शुक्ल 14	**26** आश्विन कृष्ण 5	मूत्र में पाया जाने वाला कम्पाउंड यूरिया नाइट्रेट का इस्तेमाल सिगरेट का फ्लेवर बढ़ाने के लिए किया जाता है।

प्रार्थना/भजन

ये पर्व पर्युषण आया

यह पर्व पर्युषण आया, सब जग में आनंद छाया रे। टेर।।
यह विषय कषाय घटाने, यह आतम गुण विकसाने।
जिनवाणी का बल लाया रे, यह... ।।1।।
यह जीव रुले चहुँ गति में, ये पाप करण की रति में।
निज गुण सम्पद को खोया रे, यह ।।2।।
तुम छोड़ प्रमाद मनाओ, नित धर्म ध्यान रम जाओ।
लो भव-भव दुरुख मिटाया रे, यह... ।।3।।
जप तप से कर्म खपाओ, दे दान द्रव्य फल पाओ।
ममता त्यागी सुख पाया रे, यह... ।।4।।
मूरख नर जन्म गमावे, निन्दा विकथा मन भावे।
इनसे ही गोता खाया रे, यह... ।।5।।
जो दानशील आराधें, तप द्वादश भेदे साधें!
शुद्ध मन जीवन सरसाया रे, यह... ।।6।।
बेला, तेला और अठायों, संवर-पोषध करे मन भाया।
शुद्ध पालो शील सवाया रे, यह... ।।7।।
तुम विषय-कषाय घटाओ, मन मलिन भाव मत लाओ।
निन्दा विकथा तज माया रे, यह... ।।8।।
कोई आलस में दिन खोवे, शतरंज तास रमे या सोवे।
पिक्चर में समय गमाया रे, यह... ।।9।।
संयम की शिक्षा लेना, जीवों की जयणाँ करना।
जो जैन धर्म तुम पाया रे, यह... ।।10।।
जन-जन-का मन हरषाया, बालक गण भी हुलसाया।
आत्म-शुद्धि हित आया रे, यह... ।।11।।
समता से मन को जोड़ो, ममता का बंधन तोड़ो।
है सार ज्ञान का पाया रे, यह... ।।12।।
सुरपति भी स्वर्ग से आवे, हर्षित हो जिन गुण गावे।
जन-जन को अभय दिलाया रे, यह... ।।13।।
''गुजमुनि'' निज मन समझावे, यह सोई शक्ति जगावे।
अनुभव रस पान कराया रे, यह... ।।14।।

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शान्ति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए तालिका को भरें

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
नवकार मंत्र																														
सामायिक																														
स्वाध्याय																														
नवकारसी																														
दान																														

जैन पर्व

04 सितम्बर पर्युषण पर्व प्रारम्भ
11 सितम्बर सम्वत्सरी महापर्व
15 सितम्बर भ. सुविधिनाथ निर्वाण कल्याणक (भादपद शु.9)
19 सितम्बर अनन्त चतुर्दशी (भादपद शुक्ल 14)
24 सितम्बर श्राविका गौरव दिवस-संस्कार बोध दिवस

पारिवारिक शान्ति वहीं कायम रहती है, जहां परिवार का प्रत्येक सदस्य अपने सुख को गौण और दूसरे के सुख को मुख्य मानकर व्यवहार करता है।- आचार्य हस्ती

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका–सितम्बर

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01 16	6.19 6.25	6.06 6.14	6.25 6.28	5.59 5.59
[illegible]	01 16	6.57 6.41	6.48 6.30	6.53 6.41	6.20 6.09
नवकारसी	01 16	7.07 7.13	6.54 7.02	7.13 7.36	6.47 6.47
पोरसी	01 16	9.29 9.29	9.17 9.18	9.32 9.32	9.05 9.02

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

छुट्टियाँ

10 सितम्बर	गणेश चतुर्थी
11 सितम्बर	बैंक अवकाश
16 सितम्बर	बाबा रामदेव ज.
25 सितम्बर	बैंक अवकाश

UPDATE YOUR DATA IN रत्नसंघ APP

पूर्णिमा के दिन जमीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें अपने गुरु के वचनों का मान रखें।

रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अत: एप्प डाउनलोड करें।

मन की निर्मलता का नष्ट होना, मन में अकृत्य कार्य करने का संकल्प करना अतिक्रम है। अयोग्य कार्य करने के संकल्प को कार्य रूप में परिणत करने और व्रत के उल्लंघन को तैयार होना व्यतिक्रम है। विषयों की ओर आकृष्ट वश व्रत भंग कर देना अनाचार है अत: व्रत का अंशत:, भंग अतिचार एवं सर्व भंग अनाचार है।

जैन वीर संवत् 2547 | **अक्टूबर 2021 OCTOBER** | विक्रम संवत् 2078 आश्विन–कार्तिक

सोम MON		4 आश्विन कृष्ण 13	11 आश्विन शुक्ल 6	18 आश्विन शुक्ल 13	25 कार्तिक कृष्ण 5
मंगल TUE	गुरु पुष्य नक्षत्र 30 सितम्बर, गुरुवार रात्रि शेष 01.33 बजे से 01 अक्टूबर, शुक्रवार रात्रि शेष 02.56 बजे तक 28 अक्टूबर, गुरुवार प्रातः 09.41 बजे से 29 अक्टूबर, शुक्रवार प्रातः 11.37 बजे तक	चतुर्दशी 5 आश्विन कृष्ण 14	12 आश्विन शुक्ल 7	चतुर्दशी 19 आश्विन शुक्ल 14	26 कार्तिक कृष्ण 5
बुध WED	पंचक 15 अक्टूबर, शुक्रवार रात्रि 09.16 बजे से 20 अक्टूबर, बुधवार दोपहर 02.01 बजे तक	6 आश्विन कृष्ण 30	अष्टमी 13 दुर्गाष्टमी आश्विन शुक्ल 8	20 महाष्टमी उपवास आश्विन शुक्ल 15	27 कार्तिक कृष्ण 6
गुरु THU	Alcohol Kills one Indian every 96 minutes POWER OF YOUTH	नवरात्र स्थापना 7 आश्विन शुक्ल 1	14 आश्विनशुक्ल 9	21 कार्तिक कृष्ण 1	28 कार्तिक कृष्ण 7
शुक्र FRI	1 आश्विन कृष्ण 10	8 आश्विन शुक्ल 2	विजयादशमी 15 आश्विन शुक्ल 10	22 कार्तिक कृष्ण 2	अष्टमी 29 कार्तिक कृष्ण 8
शनि SAT	गांधी जयन्ती 2 आश्विन कृष्ण 11	9 आश्विन शुक्ल 3-4	16 आश्विन शुक्ल 11	23 कार्तिक कृष्ण 3	30 कार्तिक कृष्ण 9
रवि SUN	3 आश्विन कृष्ण 12	10 आश्विन शुक्ल 5	17 आश्विन शुक्ल 12	24 कार्तिक कृष्ण 4	31 कार्तिक कृष्ण 10

प्रार्थना/भजन

तर्ज– जहाँ डाल–डाल पर सोने की...

जहाँ ज्ञान क्रिया और दृढ़ श्रद्धा की बहती निर्मल धारा।
वो पावन संघ हमारा।।
जहाँ त्यागी गुरुओं की प्रज्ञा से, मिलता है उजियारा।
वो पावन संघ हमारा। टेर।।
सौ-सौ वन्दन वीर प्रभु को, जिनसे मिला उजारा,
देव गुरु और धर्म संघ है, हमें प्राण से प्यारा।
कोटि-कोटि कंठो से गूँजे, श्रद्धा गीत हमारा।।
वो पावन संघ हमारा।।1।।
कुशल, गुमान और रत्न गणि ने, रोपा है इस तरू को,
पाये जिसने हमीर कजोड़ी, विनयचन्द से गुरु को।
शोभा गुरुवर संघ की शोभा, हस्ती ने खूब निखारा।।
वो पावन संघ हमारा।।2।।
शुद्ध चेतना के दर्पण हैं, गुरुवर आज हमारे,
हीरा गुरुवर खेवनहारे, मानचन्द्र उजियारे।
वीर प्रभु के शासन में है, रत्नसंघ ध्रुवतारा।।
वो पावन संघ हमारा।।3।।

श्रुताराधन का स्थान ज्ञान और तप दोनों में आता है। बारह प्रकार के तप में स्वाध्याय चौथा अन्तरंग तप है, स्वाध्याय द्वारा मन और वाणी का तप होता है। स्वाध्याय से ज्ञानावरणी कर्म का क्षय होता है और सूत्र की वाचना से अशातना हटती है।

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए तालिका को भरें

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
नवकार मंत्र																															
सामायिक																															
स्वाध्याय																															
नवकारसी																															
दान																															

मन को मजबूत करने के लिए संकल्प आवश्यक है। बिना संकल्प के करणी नहीं होगी और बिना करणी के कर्म नहीं कटेंगे। - आचार्य हस्ती

जैन पर्व

- 06 अक्टूबर भ. अरिष्टनेमि कंवल कल्याणक (आश्विन कृ.30)
- 12 अक्टूबर आयम्बिल ओली प्रारम्भ
- 15 अक्टूबर आचार्यप्रवर पूज्य श्री भूधर जी म.सा. की स्मृति दिवस (आश्विन शु.15)
- 20 अक्टूबर भ. नमिनाथ च्यवन कल्याणक (आश्विन शु.15) आयम्बिल ओली पूर्ण।
- 21 अक्टूबर आचार्यप्रवर पूज्य श्री हमीरमल जी म.सा. का 168 वां स्मृति दिवस (कार्तिक कृ.1)
- 23 अक्टूबर स्वाति नक्षत्र प्रारम्भ (इसके पश्चात् गाज बीज होने पर सूत्र की अस्वज्झाय रहेगी)
- 25 अक्टूबर भ. संभवनाथ केवल कल्याणक (कार्तिक कृ.5)
- 29 अक्टूबर आचार्यप्रवर पूज्य श्री गुमानचन्द जी म.सा. का 220 वां स्मृति दिवस (कार्तिक कृ.9)

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका–अक्टूबर

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	6.31	6.21	6.30	6.00
	16	6.38	6.28	6.34	6.01
सूर्यास्त	01	6.24	6.13	6.27	5.58
	16	6.09	5.57	6.15	5.49
नवकारसी	01	7.19	7.09	7.18	6.48
	16	7.26	7.16	7.22	6.49
पारसी	01	9.31	9.19	9.30	9.00
	16	9.31	9.21	9.30	8.58

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

छुट्टियाँ

- 2 अक्टूबर महात्मा गाँधी जयंती
- 7 अक्टूबर नवरात्रा स्थापना
- 9 अक्टूबर बैंक अवकाश
- 13 अक्टूबर दुर्गाष्टमी/महाष्टमी
- 15 अक्टूबर दशहरा
- 19 अक्टूबर बारावफात
- 23 अक्टूबर बैंक अवकाश

पूर्णिमा के दिन जमींकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें। अपने गुरु के वचनों का मान रखें। रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।

UPDATE YOUR DATA IN APP

जैन वीर संवत् 2547–48

नवम्बर 2021 NOVEMBER

विक्रम संवत् 2078
कार्तिक–मार्गशीर्ष

सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT	रवि SUN
1 कार्तिक कृष्ण 11	2 कार्तिक कृष्ण 12	चतुर्दशी 3 कार्तिक कृष्ण 13-14	दीपावली 4 कार्तिक कृष्ण 30	गोवर्द्धन पूजा 5 कार्तिक शुक्ल 1	भाईदूज 6 कार्तिक शुक्ल 2	7 कार्तिक शुक्ल 3
8 कार्तिक शुक्ल 4	9 कार्तिक शुक्ल 5	10 [illegible] कार्तिक शुक्ल 6-7	अष्टमी 11 कार्तिक शुक्ल 8	12 कार्तिक शुक्ल 9	13 कार्तिक शुक्ल 10	14 कार्तिक शुक्ल 11
15 कार्तिक शुक्ल 12	16 कार्तिक शुक्ल 12	संघ समर्पण दिवस संकल्प दिवस 17 कार्तिक शुक्ल 13	चतुर्दशी 18 कार्तिक शुक्ल 14	गुरु नानक जयन्ती 19 कार्तिक शुक्ल 15	20 मार्गशीर्ष कृष्ण 1	युवा शक्ति दिवस व्यसनमुक्ति दिवस 21 मार्गशीर्ष कृष्ण 2
22 मार्गशीर्ष कृष्ण 3	23 मार्गशीर्ष कृष्ण 4	24 मार्गशीर्ष कृष्ण 5	25 मार्गशीर्ष कृष्ण 6	26 मार्गशीर्ष कृष्ण 7	27 अष्टमी मार्गशीर्ष कृष्ण 8	28 मार्गशीर्ष कृष्ण 9
29 मार्गशीर्ष कृष्ण 10	30 मार्गशीर्ष कृष्ण 11	ॐ	गुरु पुष्य नक्षत्र 24 नवम्बर, बुधवार दोपहर 04.29 बजे से 25 नवम्बर, गुरुवार सायं 06.48 बजे तक	पंचक 11 नवम्बर, गुरुवार रात्रि शेष 02.51 बजे से 16 नवम्बर, मंगलवार रात्रि 08.13 बजे तक	There are 10 suicides in India every day due to drug or alcohol abuse.	

प्रार्थना/भजन

जय महावीर प्रभु

जय महावीर प्रभु, स्वामी जय महावीर प्रभु।
जगनायक सुखदायक, अति गंभीर प्रभु।। टेर।।
कुण्डलपुर में जन्में, त्रिशला के जाए, स्वामी-2
पिता सिद्धार्थ राजा, सुर नर हर्षाए ।।1।।
दीनानाथ दयानिधि, हैं मंगलकारी, स्वामी-2
जगहित संयम धारा, प्रभु पर उपकारी।। 2।।
पापाचार मिटाया, सत्पथ दिखलाया, स्वामी-2
दया धर्म का झण्डा, जग में लहराया।।3।।
अर्जुनमाली गौतम, श्री चन्दनबाला, स्वामी-2
पार जगत से बेड़ा, इनका कर डाला ।। 4।।
पावन नाम तुम्हारा, जगतारण हारा, स्वामी-2
निश दिन जो नर ध्यावें, कष्ट मिटे सारा ।।5।।
करूणा सागर तेरी, महिमा है न्यारी, स्वामी-2
'ज्ञानमुनि' गुण गावे, चरणन बलिहारी ।।6।।

भगवान महावीर के दर्शन का सूत्र है निशल्य होना। जब तक मिथ्यादृष्टि का शल्य होता है तब तक धर्म आराधना नहीं की जा सकती है। व्रत स्वीकार नहीं होते।

जैन पर्व

02 नवम्बर भ. पद्मप्रभ जन्म कल्याणक, भ. अरिष्टनेमि च्यवन कल्याणक (कार्तिक कृ.12)
03 नवम्बर भ. पद्मप्रभ दीक्षा कल्याणक (कार्तिक कृ.13)
04 नवम्बर भ. महावीर निर्वाण कल्याणक (कार्तिक कृ.30)
05 नवम्बर गौतम प्रतिपदा (कार्तिक शु.1) वीर संवत् 2548 प्रारम्भ
07 नवम्बर भ. सुविधिनाथ केवल कल्याणक (कार्तिक शु. 3)
09 नवम्बर ज्ञान पंचमी (कार्तिक शु.5)
10 नवम्बर आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्द जी म.सा. का 59वाँ दीक्षा दिवस (कार्तिक शु.6)
15 नवम्बर भ. अरनाथ केवल कल्याणक (कार्तिक शु.12)
17 नवम्बर संघ समर्पण दिवस - संकल्प दिवस
18 नवम्बर चातुर्मास समापन (चातुर्मासिक पक्खी)
19 नवम्बर वीर लोंकाशाह जयन्ती (कार्तिक शु.15)
21 नवम्बर युवा शक्ति दिवस - व्यसन मुक्ति दिवस
24 नवम्बर भ. सुविधिनाथ जन्म कल्याणक (मार्गशीर्ष कृ.5)
25 नवम्बर भ. सुविधिनाथ दीक्षा कल्याणक (मार्गशीर्ष कृ.6)
29 नवम्बर भ. महावीर दीक्षा कल्याणक (मार्गशीर्ष कृ.10)
30 नवम्बर भ.पद्मप्रभ निर्वाण कल्याणक, भ. मल्लिनाथ दीक्षा कल्याणक (मार्गशीर्ष कृ.11)

[illegible]

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
नवकार मंत्र																														
सामायिक																														
स्वाध्याय																														
नवकारसी																														
दान																														

सच्चे साधक अपनी गलती को मानने में और उसको गुरुजनों के सामने प्रकट करने में और प्रायश्चित्त लेने में संकोच नहीं करते।- आचार्य हस्ती

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका–नवम्बर

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	6.48	6.38	6.40	6.04
	16	6.58	6.49	6.48	6.10
सूर्यास्त	01	5.55	5.42	6.05	5.41
	16	5.46	5.34	5.59	5.38
नवकारसी	01	7.36	7.26	7.28	6.52
	16	7.46	7.37	7.36	6.58
पोरसी	01	9.35	9.24	9.32	8.54
	16	9.40	9.31	9.36	9.02

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

छुट्टियाँ

4	नवम्बर	दीपावली
5	नवम्बर	गोवर्धन
6	नवम्बर	भाई दूज
13	नवम्बर	बैंक अवकाश
19	नवम्बर	गुरु नानक जयंती
27	नवम्बर	बैंक अवकाश

पूर्णिमा के दिन जमीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें
अपने गुरु के वचनों का मान रखें।
रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अत: एप्प डाउनलोड करें।

UPDATE YOUR DATA IN रत्नसंघ APP

जैन वीर संवत् 2548

दिसम्बर 2021 DECEMBER

विक्रम संवत् 2078
मार्गशीर्ष–पौष

सोम MON	[illegible] 21 दिसम्बर, मंगलवार रात्रि 10.25 बजे से 22 दिसम्बर, बुधवार रात्रि शेष 12.45 बजे तक	6 मार्गशीर्ष शुक्ल 3	13 मार्गशीर्ष शुक्ल 10	20 पौष कृष्णा 1	अष्टमी 27 पौष कृष्णा 8
मंगल TUE	पंचक 09 दिसम्बर, गुरुवार प्रातः 10.10 बजे से 13 दिसम्बर, सोमवार रात्रि शेष 02.04 बजे तक	7 मार्गशीर्ष शुक्ल 4	14 मार्गशीर्ष शुक्ल 11	21 पौष कृष्णा 2	28 पौष कृष्णा 9
बुध WED	1 मार्गशीर्ष कृष्णा 12	8 मार्गशीर्ष शुक्ल 5	15 मार्गशीर्ष शुक्ल 12	22 पौष कृष्णा 3	29 पौष कृष्णा 10
गुरु THU	2 मार्गशीर्ष कृष्णा 13	9 मार्गशीर्ष शुक्ल 6	16 मार्गशीर्ष शुक्ल 13	23 पौष कृष्णा 4	30 पौष कृष्णा 11
शुक्र FRI	चतुर्दशी 3 पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी मार्गशीर्ष कृष्णा 14	10 मार्गशीर्ष शुक्ल 7	चतुर्दशी 17 मार्गशीर्ष शुक्ल 14	24 पौष कृष्णा 5	31 पौष कृष्णा 12–13
शनि SAT	4 मार्गशीर्ष कृष्णा 30	11 अष्टमी मार्गशीर्ष शुक्ल 8	18 पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी मार्गशीर्ष शुक्ल 15	25 क्रिसमस डे पौष कृष्णा 6	50% of the people starts intoxication with alcohol and alcohol & Today, 15 to 20% of the Indian population regularly consumes alcohol
रवि SUN	5 मार्गशीर्ष शुक्ल 1–2	12 मार्गशीर्ष शुक्ल 9	19 मार्गशीर्ष शुक्ल 15	26 पौष कृष्णा 7	POWER OF YOUTH व्यसन मुक्त

प्रार्थना/भजन

रूपा के लाल एक बाल शरण...

रूपा के लाल, एक बाल शरण आयो तेरी,
करुणकर काटो जनम मरण की फेरी। टेर।।
तेरी ही दया से नाथ धर्म पहिचाना, चरणों का शिष्य बन, गुरु आपको माना।
आज्ञा-पालन में करी कभी नहीं देरी। करुणाशंकर....।1।।
अब चरण में तेरे, तू ही कर पकड़ेगा, शरणागत तेरे, तू ही लाज रखेगा।
नहीं लाज रखी तो बात जाहयेगी तेरी। करुणाकरण....।2।।
दीनों के नाथ की पदवी पाई तैने, है कोमल हृदय तेरा सुनी यह मैंने।
मैं दीनों से भी दीन-हीन सुन मेरी। करुणाकर....।3।।
कोई धन-दौलत वैभव का वर नहीं चाहूँ, दे कुटुम्ब-कबीलों, यह नहीं आस लगाऊँ।
बस तेरी गति सम हो मति मेरी। करुणाकर...।4।।
पारस है जड़ पर ऐसी क्षमता रखता, लोहे को भी वह, सोने सम कर सकता।
हस्ती सा गुरुवर मिल्या, फेर क्यों देरी। करुणाकर....।5।।
विजया दशमी है आज एक वर दे दो, रावण ने जीत्यो राम वही बल भर दो।
कर्मों को 'जीत' लूँ, बजा विजय की भेरी। करुणाकर....।6।।

पच्चक्खाण

आपके वर्तमान स्थान के अनुसार सूर्योदय-सूर्यास्त, नवकारसी, पोरसी आदि की जानकारी तथा पाठ एवं चौघड़िया रत्नसंघ एप्प पर

जैन पर्व

01 दिसम्बर आचार्यप्रवर पूज्य श्री विनयचन्द जी म.सा. का 106 वां स्मृति-दिवस (मार्गशीर्ष कृ. 12)

13 दिसम्बर भ. अरनाथ जन्म कल्याणक, निर्वाण कल्याणक (मार्गशीर्ष शु. 10)

14 दिसम्बर भ. अरनाथ दीक्षा कल्याणक, भ. मल्लिनाथ जन्म कल्याणक, दीक्षा कल्याणक, केवल कल्याणक, भ. नमिनाथ केवल्य कल्याणक, मौन एकादशी (मार्गशीर्ष शु. 11)

17 दिसम्बर भ. संभवनाथ जन्म कल्याणक (मार्गशीर्ष शु. 14)

18 दिसम्बर भ. संभवनाथ दीक्षा कल्याणक (मार्गशीर्ष शु. 15)

29 दिसम्बर भ. पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक (पौष कृ. 10)

30 दिसम्बर भ. पार्श्वनाथ दीक्षा कल्याणक (पौष कृ. 11)

31 दिसम्बर भ. चन्द्रप्रभ जन्म कल्याणक (पौष कृ. 12)
भ. चन्द्रप्रभ दीक्षा कल्याणक (पौष कृ. 13)

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए तालिका को भरें

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
नवकार मंत्र																															
सामायिक																															
स्वाध्याय																															
नवकारसी																															
दान																															

मन में गांठ बांधकर रखोगे तो साथ में काम करने वालों की गाड़ी आगे नहीं चलेगी, गाड़ी अटक जाएगी।- **आचार्य हस्ती**

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका–दिसम्बर

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	7.11	7.00	6.56	6.17
	16	7.18	7.10	7.06	6.25
सूर्यास्त	01	5.44	5.33	5.59	5.39
	16	5.46	5.35	6.03	5.44
नवकारसी	01	7.59	7.48	7.44	7.05
	16	8.06	7.58	7.54	7.13
पोरसी	01	9.50	9.39	9.42	9.08
	16	9.55	9.47	9.51	9.15

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

छुट्टियाँ

11 दिसम्बर बैंक अवकाश

25 दिसम्बर क्रिसमस डे

UPDATE YOUR DATA IN रत्नसंघ APP

पूर्णिमा के दिन जमीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें

अपने गुरु के वचनों का मान रखें।

रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अत: एप्प डाउनलोड करें।